किसानों हेतु खरपतवार सम्बन्धी जानकारी

गेहूं: गेहूं की फसल में संकरी व चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे कि गुल्ली डंडा, जंगली जई, बुई, बथुआ, जंगली पालक, लोम्बड घास, मैंणा, गजरी, मेथा, कंटीली पालक, मालवा (चकरी घास), हिरण खुरी व बम्भोला आदि की समस्या आती है. ये खरपतवार कई लौ में उगते हैं जैसे की फसल उगने के समय, पहले पानी से पहले व बाद में व दुसरे पानी के बाद. ये खरपतवार जमीन से पौषक तत्व, पानी लेकर गेहूं की फसल को 10-70% तक नुकसान पहुंचाते हैं जिसकी वजह से गेहूं का झाड़ काफी घट जाता है. गेहूं की फसल में इस समय खरपतवारनाशियों का प्रयोग करने का उचित समय है. किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि पहला पानी हल्का लगायें क्योंकि ज्यादा भारी पानी लगाने से खरपतवारनाशी का छिडकाव देर से हो पाता है और दवाई का उचित परिणाम नहीं मिलता. इसलिए किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि खरपतवारनाशी का प्रयोग पूरी मात्रा, सही समय पर व सही तरीके से करें. पहले गुल्ली डंडा, जंगली जई हेतु बिजाई के 30-35 दिन बाद 400 मि. ली. एक्सिअल 5 ई. सी. (Pinoxaden) या 160 ग्राम टोपिक/पॉइंट/मुल्लाह/जय विजय/टोपल/रक्षक प्लस 15 डब्लू.पी. (Clodinafop) या 13 ग्राम लीडर/एस.एफ.10/सफ़ल 75 डब्लू.पी. (Sulfosulfuron)+500 मि. ली. चिपचिपा पदार्थ या प्यूमा पावर 400 मि. ली.+200 मि. ली. चिपचिपा पदार्थ को 200-250 लीटर पानी में मिला कर प्रति एकड़ के हिसाब से छिडकाव करें.

यदि खेत में पोआ घास (बुई) या लोम्बड घास की समस्या हो तो एक्सिअल 5 ई. सी. (Pinoxaden) का छिडकाव करें. चौड़ी पत्ती वाले ख़रपतवार जैसे कि बथुआ, कृष्ण नील, खड बाथू, जंगली पालक, मैंणा, मेथा, कंटीली पालक, आदि की रोकथाम के लिए 8 ग्राम एलग्रिप.+200 मि. ली. चिपचिपा पदार्थ का 200-250 लीटर पानी में मिला कर बिजाई के 30-35 दिन बाद प्रति एकड़ के हिसाब से छिडकाव करें. यदि खेत में मालवा (चकरी घास), हिरण खुरी व बम्भोला आदि की समस्या है तो एफिनिटी 20 ग्राम को 200-250 लीटर पानी में मिला कर बिजाई के 30-35 दिन बाद प्रति एकड़ के हिसाब से छिडकाव करें. इस खरपतवारनाशी को टोपिक15 डब्लू.पी. (Clodinafop) या प्यूमा पावर के साथ मिला कर छिडकाव न करें. गजरी घास के नियंत्रण हेतु केवल 2,4-डी. इथाइल एस्टर 300 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से छिडकाव करें. अगर संकरी व चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों की समस्या है तो 16 ग्राम टोटल 75 डब्लू.पी. या 160 ग्राम एटलान्तिस (Meso+iodosulfuron) या 160 ग्राम वेस्ता का 200-250 लीटर पानी में मिला कर बिजाई के 30 - 35 दिन बाद प्रति एकड़ के हिसाब से छिडकाव करें. जिन खेतों में गेहूं के बाद ज्वार/बाजरा/लोबिया की फसल लेनी हो उन खेतों में लीडर/एस.एफ.10/सफ़ल 75 डब्लू.पी., टोटल 75 डब्लू.पी. या एटलान्तिस (Meso+iodosulfuron) का प्रयोग न करें.

- खरपतवारनाशियों का छिडकाव केवल फ़्लैट फैन नोज़ल या फ्लड जैट नोज़ल से ही करें.
- लगातार (हर साल) एक ही ग्रुप के खरपतवारनाशियों का प्रयोग करने से खरपतवारों में सहन शीलता बढ़ जाती है.

जौ: चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए 2,4-डी. सोडियम साल्ट की 400 ग्राम मात्रा या 2,4-डी. अमाइन 58 एस.एल. की 500 मि.ली. मात्रा या 8 ग्राम एलग्रिप.+200 मि. ली. चिपचिपा पदार्थ या एफिनिटी 20 ग्राम को 200 लीटर पानी में मिला कर बिजाई के 40 दिन बाद प्रति एकड़ के हिसाब से छिडकाव करें. संकरी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए 400 मि. ली. एक्सिअल 5 ई. सी. (Pinoxaden) को 200 लीटर पानी में मिला कर बिजाई के 40-45 दिन बाद प्रति एकड़ के हिसाब से छिडकाव करें. मिश्रित खरपतवारों के लिए 400 मि. ली. एक्सिअल 5 ई. सी. (Pinoxaden) के साथ 8 ग्राम एलग्रिप.+200 मि. ली. चिपचिपा पदार्थ या 2,4-डी. अमाइन 58 एस.एल. की 500 मि.ली. मात्रा या एफिनिटी 40 डी. एफ. की 20 ग्राम मात्रा को 200 लीटर पानी में मिला कर (टैंक मिश्रण) बिजाई के 40-45 दिन बाद प्रति एकड़ के हिसाब से छिडकाव करें.